



**IndiaMART InterMESH Ltd.**  
6th floor, Tower 2, Assotech Business Cresterra,  
Plot No.22, Sec 135, Noida-201305, U.P.  
Call Us: +91 - 9696969696  
E: [customercare@indiamart.com](mailto:customercare@indiamart.com)  
Website: [www.indiamart.com](http://www.indiamart.com)

**May 03, 2022**

To,

**BSE Limited**  
(BSE: 542726)

**National Stock Exchange of India Limited**  
(NSE: INDIAMART)

**Subject:** Submission of Corrigendum dated May 02, 2022 to the Public Announcement dated April 29, 2022 ('Corrigendum') for Buyback of equity shares of face value of ₹ 10/- each ('Equity Shares') aggregating upto ₹ 100 Crores (Indian Rupees One Hundred Crores Only) by way of tender offer from existing security holders pursuant to the provisions of SEBI (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, as amended ('Buyback Regulations') and the Companies Act, 2013, as amended ('Act')

Dear Sir/Ma'am,

In furtherance to our letter dated April 30, 2022, we hereby inform that the Company has published a Corrigendum dated May 02, 2022 to the Public Announcement for the Buyback on May 03, 2022, in the following newspapers mentioned below:

Name of the Newspaper	Language	Editions
Business Standard	English	All editions
Business Standard	Hindi*	All editions

*\*Hindi being the regional / vernacular language newspaper wherein the registered office of the Company is located.*

In this regard, a copy of the Corrigendum, as published in the aforesaid newspapers, is enclosed herewith.

We request you to take the above information on record.

Thanking You

**For IndiaMART InterMESH Limited**

**(Manoj Bhargava)**  
**Sr. Vice President (Legal & Secretarial),**  
**Company Secretary & Compliance Officer**  
**Membership No: F5164**  
**Encl: As above**







# सूचीबद्ध फर्मों में रिकॉर्ड खुदरा स्वामित्व

ऐश्ली कुटिन्हो मुंबई, 2 मई

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध कंपनियों में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2022 को अब तक के सर्वोच्च स्तर 7.42 फीसदी पर पहुंच गई, जो 31 दिसंबर 2021 को 7.33 फीसदी थी। प्राइमइन्फोबेस डॉट कॉम से यह जानकारी मिली। कीमत के लिहाज से खुदरा हिस्सेदारी 19.16 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो 31 दिसंबर 2021 के 19.05 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 0.56 फीसदी ज्यादा है।

इस अवधि में सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः 0.54 फीसदी व 0.63 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई। एनएसई में सूचीबद्ध फर्मों में एचएनआई की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2022 को घटकर 2.21 फीसदी रह गई, जो इससे पिछली तिमाही में 2.28 फीसदी रही थी जबकि खुदरा व एचएनआई की हिस्सेदारी संयुक्त रूप से अब तक के सर्वोच्च स्तर 9.64 फीसदी पर पहुंच गई। तिमाही के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की तरफ से शुद्ध निकासी 1.1 लाख करोड़ रुपये रही, जिसके परिणामस्वरूप एफपीआई की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2022 को नौ साल के निचले स्तर 20.15 फीसदी रह गई, जो 31 दिसंबर

## एनएसई में सूचीबद्ध फर्मों में खुदरा हिस्सेदारी

अवधि	खुदरा हिस्सेदारी (फीसदी)	कीमत (लाख करोड़ रुपये)
दिसंबर 2019	<b>6.42</b>	<b>9.73</b>
मार्च 2020	<b>6.54</b>	<b>7.16</b>
जून 2020	<b>6.74</b>	<b>9.15</b>
सितंबर 2020	<b>7.01</b>	<b>10.57</b>
दिसंबर 2020	<b>6.90</b>	<b>12.68</b>
मार्च 2021	<b>6.95</b>	<b>13.92</b>
जून 2021	<b>7.18</b>	<b>16.17</b>
सितंबर 2021	<b>7.13</b>	<b>18.15</b>
दिसंबर 2021	<b>7.33</b>	<b>19.04</b>
मार्च 2022	<b>7.42</b>	<b>19.15</b>
स्रोत <span> </span> : प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम		



2021 को 20.71 फीसदी थी।

तिमाही के दौरान एफपीआई ने वित्तीय सेवा व सॉफ्टवेयर क्षेत्र से 69,370 करोड़ रुपये की निकासी की जबकि धातु व खनन, फूड, बेवरिजेशन व तंबाकू में 13,450 करोड़ रुपये निवेश किया। एनएसई में सूचीबद्ध फर्मों में एफपीआई की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2022 को 51.99 लाख करोड़ रुपये रह गई, जो दिसंबर 2021 की तिमाही में 53.8

लाख करोड़ रुपये थी।

एनएसई में सूचीबद्ध फर्मों में देसी म्युचुअल फंडों की हिस्सेदारी लगातार तीसरी तिमाही में बढ़ी और 31 मार्च, 2022 को 7.75 फीसदी पर पहुंच गई, जो दिसंबर 2021 की तिमाही में 7.46 फीसदी थी। देसी म्युचुअल फंडों में तिमाही के दौरान 67,423 करोड़ रुपये के भारी निवेश की

पृष्ठभूमि में यह हिस्सेदारी बढ़ी। कीमत

के लिहाज से भी देसी म्युचुअल फंड की हिस्सेदारी 3.08 फीसदी बढ़कर 31 मार्च 2022 को 19.99 लाख करोड़ रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई, जो दिसंबर 2021 की तिमाही में 19.39 लाख करोड़

रुपये रही थी। खुदरा, एचएनआई और देसी म्युचुअल फंडों की हिस्सेदारी को मिला दें तो यह 31 मार्च, 2022 को अब तक के सर्वोच्च स्तर

17.38 फीसदी पर पहुंच गई, जो दिसंबर 2021 की तिमाही में 17.08 फीसदी थी।

देसी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी (जिसमें देसी म्युचुअल फंड, बीमा कंपनियां, बैंक, वित्तीय संस्थान व पेंशन फंड शामिल हैं) भी 31 मार्च 2022 को बढ़कर 13.7 फीसदी पर पहुंच गई, जो दिसंबर 2021 की तिमाही में 13.21 फीसदी रही थी। इसकी वजह तिमाही के दौरान देसी संस्थागत निवेशकों की तरफ से 1.03 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश रही। कीमत के लिहाज से भी देसी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2022 को अब तक के सर्वोच्च स्तर 35.55 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 3.05 फीसदी ज्यादा है।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिदा ने कहा, खुदरा, एचएनआई और देसी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2022 को अब तक के सर्वोच्च स्तर 23.34 फीसदी पर पहुंच गई, जो एफपीआई हालांकि 31 मार्च, 2015 को एफपीआई

जो देसी वैयक्तिक निवेशकों में इजाफा और विदेशी निवेशकों की निकासी की भरपाई में उनकी भूमिका को दर्शाता है। हालांकि 31 मार्च, 2015 को एफपीआई की हिस्सेदारी 23.32 फीसदी थी, वहीं खुदरा, एचएनआई व डीआईआई की संयुक्त हिस्सेदारी 18.47 फीसदी रही थी।

### फिनो पीबी के प्रवर्तकों ने लिया फैसला

## भुगतान बैंक चेयरमैन के खिलाफ वोटिंग की

सुब्रत पांडा और मनोजित साहा मुंबई, 2 मई

फिनो पेमेंट्स बैंक की प्रवर्तक कंपनी फिनो पेटेक लिमिटेड ने 29 अप्रैल को हुई वोटिंग में समूह में कंपनी के लिए स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल सीमित कर एक बार किए जाने का निर्णय लिया।

फिनो पीबी चेयरमैन और बोर्ड में अन्य स्वतंत्र निदेशकों की पुनः नियुक्ति के लिए ई-वोटिंग के दिन ही यह निर्णय लिया गया था। फिनो पीबी के सभी प्रवर्तकों (फिनो पेटेक समेत) ने महेंद्र कुमार चौहान की पुनः नियुक्ति के प्रस्ताव के खिलाफ मत दिया। चौहान स्वतंत्र बोर्ड सदस्य थे और बोर्ड के चेयरमैन भी थी।

प्रवर्तक समूह ने पुनीता कुमार-सिन्हा (अन्य स्वतंत्र निदेशक) की पुनः नियुक्ति के खिलाफ भी वोटिंग की।

चौहान और सिन्हा की पुनः नियुक्ति के प्रस्ताव को 80 प्रतिशत शेयरधारकों के विरोध का सामना करना पड़ा, जिनमें प्रवर्तक समूह के सभी शेयरधारक शामिल थे।

चौहान और सिन्हा ने भुगतान बैंक में पांच-पांच वर्ष का एक कार्यकाल पूरा कर लिया है।

शेयरधारकों की बैठक में प्रवर्तकों ने बैंक की अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने और बैंक के कैपिटल क्लॉज ऑफ मेमोरींडम एंशोएशन में बदलाव के खिलाफ भी वोटिंग की। साथ ही कर्मचारी शेयर विकल्प नीति (इसॉप) के संशोधित प्रस्ताव का भी विरोध किया गया।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने कहा है कि पुनः नियुक्ति के संबंध में बैंक के शेयरधारकों को 29 मार्च को सूचना (पोस्टल बैलेट से संबंधित) भेजी

## परिसंपत्ति प्रबंधन फर्मों की मार्च तिमाही सुस्त रही

चिराग मडिया मुंबई, 2 मई

प्रतिफल पर दबाव के कारण सूचीबद्ध परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) की मार्च तिमाही सुस्त रही। यूटीआई एएमसी का कर पश्चात लाभ सालाना आधार पर करीब 60 फीसदी घट गया, वहीं आदित्य बिड़ला सम लाइफ एएमसी के लाभ में महज एक फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई। एचडीएफसी सिक्को ने यूटीआई एएमसी पर रिपोर्ट में कहा है कि मुख्य परिचालन लाभ पर असर के कारण फंड हाउस की तिमाही कमजोर रही।

एचडीएफसी सिक्कोरिटीज ने कहा, प्रतिफल में नरमी और कर्मचारियों की लागत में हुई बढ़ोतरी एंविटा मार्जिन में कमी ला रहा है। एंविटा मार्जिन 36 फीसदी

रहा, जो पांच तिमाही का निचला स्तर है। प्रबंधन की उस टिप्पणी पर हम सहज हैं कि निवेश का माहौल ठीक है और रिटायरमेंट सॉल्यूशंस बिजनेस के बढ़त का परिदृश्य मजबूत है, लेकिन मध्यम अवधि में हम प्रतिफल पर लगातार पड़ रहे दबाव और कर्मचारियों की बढ़ती लागत को लेकर चिंतित बने हुए हैं।

यूटीआई एएमसी की परिचालन आय मार्च 2022 में समाप्त तिमाही में 301.2 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 289.2 करोड़ रुपये रही थी। दिसंबर तिमाही में भी फंड हाउस ने लाभ पर दबाव का सामना किया था, जिसका कारण उच्च प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों के स्लैब में कम कुल खर्च अनुपात के चलते प्रतिफल पर पड़ा दबाव था।

बाजार नियामक सेबी ने कई बदलाव किए हैं, जिसका लक्ष्य कुल खर्च अनुपात में कमी लाकर निवेश लागत में कमी लाना और निवेशक के अनुभव में सुधार लाना है।

निर्पान लाइफ इंडिया एएमसी पर एचडीएफसी सिक्कोरिटीज ने एक नोट में कहा है, प्रतिफल पर दबाव की प्राथमिक वजह थी 1. नए निवेश पर कम प्रतिफल क्योंकि पुरानी परिसंपत्तियां बदली गईं 2. उच्च एयूएम स्लैब पर कुल खर्च अनुपात में कमी। चूंकि उच्च प्रतिफल वाला पुराना खता अभी भी 50 फीसदी है, ऐसे में हमारा अनुमान है कि इक्विटी प्रतिफल पर मध्यम अवधि में दबाव बना रहेगा।

म्युचुअल फंडों को म्युचुअल फंड योजनाओं के प्रबंधन की खातिर कुछ निश्चित परिचालन खर्च मसलन बिक्री, विपणन,

■फिनो पेमेंट्स बैंक को वर्ष 2015 में आरबीआई से लाइसेंस मिला और 2017 में उसने परिचालन शुरू किया था

■फिनो पेटेक ने फिनो पीबी चेयरमैन एमके चौहान को स्वतंत्र बोर्ड सदस्य पुनः नियुक्त किए जाने के समर्थन में वोटिंग की

■फिनो पीबी में फिनो पेटेक की 75 प्रतिशत हिस्सेदारी है

#### स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल सीमित करने का फैसला

■पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी उन्हें पदों पर बनाए रखने पर सहमति नहीं बनी

■इसके अलावा शेयरधारकों ने इसॉप के संशोधित प्रस्ताव समेत कई मुद्दों के खिलाफ भी वोटिंग की

■पांच साल की कार्य अवधि आगे नहीं बढ़ाए जाने का यह नीतिगत निर्णय समूह की सभी फर्मों के लिए लागू होगा

गई थी। इसके लिए ई-वोटिंग प्रक्रिया 31 मार्च से शुरू हुई और 29 अप्रैल को समाप्त हुई। फिनो पीबी ने कहा, ‘कंपनीज ऐंक्ट के अनुसार, जब प्रस्ताव ई-वोटिंग के जरिये पास किया जाता है तो उसे वापस नहीं लिया जा सकता।’ उसने कहा, ‘वोटिंग पर निर्णय लेने के लिए, फिनो पेटेक ने 29 अप्रैल की बोर्ड बैठक की थी, जिसमें नीतिगत निर्णय स्वतंत्र निदेशक के कार्यकाल पर लिया गया और इस पर अमल किया गया था।’

पैतृक कंपनी फिनो पेटेक ने अपने एक बयान में कहा है कि यह निर्णय स्वतंत्र निदेशक को एक से ज्यादा कार्यकाल की अनुमति नहीं दिए जाने के लिए लिया गया था, जिससे कि नई प्रतिभाओं को भी अवसर मिल सकें।

फिनो पेटेक ने निवर्तमान निदेशकों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, ‘नई प्रतिभाएं लाने और बाजार की उभरती चुनौतियों को पूरा करने के अनुभव के प्रयास में फिनोटैक

पेटेक के बोर्ड ने स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल सीमित कर एक अवधि के लिया गया है। यह नीतिगत निर्णय समूह की सभी कंपनियों के लिए लागू है।’

दिलचस्प बात यह है कि फिनो पेटेक के चेयरमैन अशोक कीनी को 31 मार्च 2015 को पांच साल की अवधि के लिए स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया था और वर्ष 2020 में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। लेकिन कीनी को 2020 में उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद पुनः नियुक्त किया गया था।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने वर्ष 2015 में आरबीआई से लाइसेंस मिलने के बाद 2017 में अपना परिचालन शुरू किया था।

फिनो पेमेंट्स बैंक का शेयर मौजूदा समय में अपने आईपीओ भाव से 48 प्रतिशत तक गिर चुका है। फिनो ने बताया कि वर्ष 2021 में 1,200 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई थी।

## प्रशासनिक खर्च, लेनदेन की लागत, निवेश प्रबंधन शुल्क और पंजीकरण शुल्क आदि वसूलने की इजाजत है। म्युचुअल फंड योजनाओं के परिचालन व प्रबंधन की इस लागत को सामूहिक रूप से कुल खर्च अनुपात कहा जाता है, जो फंड की रोजाना की शुद्ध परिसंपत्ति का एक निश्चित प्रतिशत होता है।

म्युचुअल फंड की तरफ से वसूले जाने वाले अधिकतम कुल खर्च अनुपात में कमी आ रही है क्योंकि फंड का आकार बढ़ रहा है। ऐसे में छोटे इक्विटी फंड 2.25 फीसदी को उच्च दर से कुल खर्च अनुपात वसूल सकते हैं, लेकिन 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा एयूएम वाले इक्विटी फंडों के मामले में अधिकतम कुल खर्च अनुपात घटकर महज 1.05 फीसदी रह गया है।

## एचडीएफसी का लाभ बाजार के अनुमान से बेहतर

सुब्रत पांडा मुंबई, 2 मई

एचडीएफसी का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 16 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 3,700 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 3,180 करोड़ रुपये रहा था और इस तरह से कंपनी का मुनाफा बाजार अनुमान से बेहतर रहा। ब्लूमबर्ग के विश्लेषकों ने शुद्ध लाभ 3,1518 करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था। शुद्ध ब्याज आय में बढ़ोतरी और कम प्रावधान से एचडीएफसी के लाभ को सहाया मिला। एचडीएफसी की शुद्ध ब्याज आय इस अवधि में 14 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 4,601 करोड़ रुपये रहा जबकि शुद्ध ब्याज मार्जिन साल के लिए 3.5 फीसदी रहा।

फंसे कर्ज के लिए प्रावधान 44 फीसदी घटकर 401 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 719 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का सकल गैर-निष्पादित कर्ज मार्च के आखिर में आरबीआई के 12 नवंबर के परिपत्र के मुताबिक 1.91 फीसदी रहा और सकल वैयक्तिक

एनपीएल वैयक्तिक पोर्टफोलियो का 0.99 फीसदी रहा। क्रमिक आधार पर एनपीएल में 41 आधार अंकों की कमी आई।

पूरे साल के लिए वैयक्तिक अप्रूवल व वितरण पिछले साल के मुकाबले क्रमशः 38 फीसदी व 37 फीसदी बढ़ा। मार्च में सबसे ज्यादा वैयक्तिक वितरण 20,944 करोड़ रुपये रहा जबकि वास्तविकता यह है कि पिछले साल मिले रियायती स्टॉप ड्यूटी का लाभ इस साल नहीं थे।

**एचडीएफसी-एचडीएफसी बैंक का विलय** : एचडीएफसी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन व मुख्य कार्याधिकारी केकी मिस्त्री ने कहा, हमने विभिन्न वर्षों में एचडीएफसी व एचडीएफसी बैंक के विलय के विकल्प का आकलन किया है। हालांकि विगत में हमने पाया कि विलय की लागत महंगी होगी, ऐसे में हम इस पर आगे नहीं बढ़ें। मिस्त्री ने कहा, हालांकि हाल के वर्षों में कई नियामकीय बदलाव के कारण विलय आकर्षक नजर आया।

<p>THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY, OUTSIDE INDIA.</p> <p><b>PUBLIC ANNOUNCEMENT</b></p> <p><b>PLAZA WIRES LIMITED</b></p> <p>Our Company was originally incorporated as ‘Navratna Wires Private Limited’ as a private limited company under the provisions of the Companies Act, 1956, pursuant to a certificate of incorporation dated August 23, 2006 issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana. Pursuant to a special resolution passed by the shareholders of our Company at the extra-ordinary general meeting held on October 10, 2007, the name of our Company was changed to ‘Plaza General Cable Wire Private Limited’ and a fresh certificate of incorporation dated October 26, 2007 was issued to our Company by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana. Pursuant to a special resolution passed by the shareholders of our Company on December 26, 2008, the name of our Company was changed to ‘Plaza Wires Private Limited’, and a fresh Certificate of Incorporation reflecting the new name was issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana on February 06, 2009. Thereafter, our Company was converted to a public limited company, pursuant to a special resolution passed by our shareholders on December 29, 2021 and the name of our Company was changed to ‘Plaza Wires Limited’ and a fresh certificate of incorporation dated March 10, 2022 was issued to our Company by the Registrar of Companies, Delhi. For details in relation to change in the address of the registered office of our Company, see ‘<i>History and Certain Corporate Matters</i>’ on page 150 of the draft red herring prospectus dated April 30, 2022 (“DRHP”), filed with the Securities and Exchange Board of India (“SEBI”) on April 30, 2022.</p> <p><b>Registered Office:</b> A-74 Okhla Industrial Area, Phase-2 New Delhi, South Delhi, 110020, India; <b>Tel:</b> 011-66369696  <b>Contact Person:</b> Bhavika Kapil, Company Secretary and Compliance Officer; <b>E-mail:</b> compliance@plazawires.in  <b>Website:</b> www.plazawires.in; <b>Corporate Identity Number:</b> U31300DL2006PLC152344</p> <p><b>OUR PROMOTERS: SANJAY GUPTA AND SONIA GUPTA</b></p> <p><b>INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 1,64,52,000* EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH (“EQUITY SHARES”) OF PLAZA WIRES LIMITED (“OUR COMPANY” OR THE “ISSUER”) FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE) (“ISSUE PRICE”) AGGREGATING UP TO ₹ [•] MILLION (THE “ISSUE”). THE ISSUE WILL CONSTITUTE [•]% OF OUR POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL.</b></p> <p><i>* Subject to Finalization of the Basis of Allotment.</i></p> <p><b>OUR COMPANY, IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGER, MAY CONSIDER A PRE-IPO PLACEMENT OF ITS EQUITY SHARES, FOR CASH CONSIDERATION (“PRE-IPO PLACEMENT”) PRIOR TO FILING OF THE RED HERRING PROSPECTUS WITH THE RoC SUBJECT TO RECEIPT OF REQUISITE APPROVALS. THE PRE-IPO PLACEMENT, IF UNDERTAKEN, WILL BE AT A PRICE TO BE DECIDED BY OUR COMPANY, IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGER. IF THE PRE-IPO PLACEMENT IS UNDERTAKEN, THE NUMBER OF EQUITY SHARES ISSUED PURSUANT TO THE PRE-IPO PLACEMENT SHALL BE REDUCED FROM THE FRESH ISSUE, SUBJECT TO COMPLIANCE WITH RULE 19(2)(b) OF THE SECURITIES CONTRACTS (REGULATION) RULES, 1957, AS AMENDED (“SCRR”).</b></p> <p><b>THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS ₹ 10 EACH AND THE ISSUE PRICE IS [•] TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES. THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGER AND WILL BE ADVERTISED IN [•] EDITIONS OF [•] AN ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER AND [•] EDITIONS OF [•] A HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER, (HINDI ALSO BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF DELHI, WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), EACH WITH WIDE CIRCULATION, AT LEAST 2 (TWO) WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE, AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE BSE LIMITED (“BSE”) AND THE NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED (“NSE”), TOGETHER WITH BSE, THE “STOCK EXCHANGES”) FOR THE PURPOSE OF UPLOADING ON THEIR RESPECTIVE WEBSITES IN ACCORDANCE WITH THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED (THE “SEBI ICDR REGULATIONS”).</b></p> <p>In case of any revision in the Price Band, the Bid/ Issue Period will be extended by at least 3 (three) additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid/ Issue Period not exceeding 10 (ten) Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company may, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid/ Issue Period for a minimum of 3 (three) Working Days, subject to the Bid/ Issue Period not exceeding 10 (ten) Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/ Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a public notice, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLM and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and the Sponsor Bank, as applicable.</p> <p>This issue is being made in terms of Rule 19(2)(b) of the SCRR read with Regulation 31 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018, as amended (the “<b>SEBI ICDR Regulations</b>”). This issue is being made through the Book Building Process in accordance with Regulation 6(2) of the SEBI ICDR Regulations wherein not less than 75% of the Issue shall be allotted on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers (“<b>QIBs</b>”) (the “<b>QIB Portion</b>”), provided that our Company may in consultation with the BRLM allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis (“<b>Anchor Investor Portion</b>”). One-third of the Anchor Investor Portion shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from the domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) (the “<b>Net QIB Portion</b>”). Further, 5% of the QIB Portion (excluding Anchor Investor Portion) (the “<b>Net QIB Portion</b>”) shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders (other than Anchor Investors), including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not more than 15% of the Issue shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders, out of which a) one-third of such portion shall be reserved for applicants with application size of more than ₹ 0.2 million and up to ₹ 1.0 million and (b) two-third of such portion shall be reserved for applicants with application size of more than ₹ 1.0 million, provided that the unsubscribed portion in either of such sub-categories may be allocated to applicants in the other sub-category of Non-Institutional Bidders and not more than 10% of the Issue shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. If at least 75% of the Issue cannot be Allotted to QIBs, then the entire application money shall be refunded forthwith. All Bidders, other than Anchor Investors, are required to participate in the issue by mandatorily utilising the Application Supported by Blocked Amount (“<b>ASBA</b>”) process by providing details of their respective ASBA Account (as defined hereinafter) and UPIID in case of RIBs using the UPI Mechanism, as applicable, pursuant to which their corresponding Bid Amounts will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks (“<b>SCSBs</b>”) or by the Sponsor Banks under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For further details, see ‘<i>Issue Procedure</i>’ on page 310 of the DRHP.</p> <p>This public announcement is made in compliance with the provisions of Regulation 26(2) of the SEBI ICDR Regulations to inform the public that the Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated April 30, 2022 with SEBI on April 30, 2022.</p> <p>Pursuant to Regulation 26(1) of the SEBI ICDR Regulations, the DRHP filed with SEBI shall be made available to public for comments, if any, for period of at least 21 (twenty one) days, from the date of such filing by hosting it on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, websites of the stock exchange i.e BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com and the website of the BRLM, i.e. Pantomath Capital Advisors Private Limited at www.pantomathgroup.com. Our Company invites the members of the public to give their comments on DRHP filled with SEBI on May 01, 2022 with respect to disclosures made therein. The members of the public are requested to send a copy of their comments to SEBI, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by our Company and/or the BRLM and/or the Company Secretary and Compliance Officer on or before 5:00 p.m. on the 21<sup>st</sup> day from the aforesaid date of filing the DRHP with SEBI.</p> <p>Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Issue unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue, including the risks involved. The Equity Shares in the Issuer have not been recommended or approved by SEBI, nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the DRHP. Specific attention of the investors is invited to “<i>Risk Factors</i>” on page 26 of the DRHP.</p> <p>The Equity Shares, when offered, through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on BSE and NSE.</p> <p>For details of the main objects of the Company as contained in its Memorandum of Association, see ‘<i>History and Certain Corporate Matters</i>’ on page 150 of the DRHP. The liability of the members of the Company is limited.</p> <p>For details of the share capital and capital structure of the Company and the names of the signatories to the memorandum and the number of shares subscribed for by them, see “<i>Capital Structure</i>” on page 68 of the DRHP.</p> <p>Any decision whether to invest in Equity Shares described in the DRHP may only be made after a Red Herring Prospectus for the same has been filed with the RoC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the DRHP.</p>	<p><b>REGISTRAR TO THE ISSUE</b></p> <p><b>PLAZA WIRES LIMITED</b> is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the DRHP dated April 30, 2022 with SEBI on April 30, 2022. The DRHP is available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in as well as on the websites of the Stock Exchanges i.e. BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com and is available on the website of the BRLM i.e. Pantomath Capital Advisors Private Limited at www.pantomathgroup.com. Any potential investor should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risk, see “<i>Risk Factors</i>” on page 26 of the DRHP. Potential investors should not rely on the DRHP for any investment decision.</p> <p>The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the “<b>U.S. Securities Act</b>”), or the securities laws of any state of the United States and may not be offered or sold within the United States, except pursuant to exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transactions in reliance on Regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sale occur. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be offered or sold, and Applications may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be offered or sold, and Bids may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.</p> <p>For <b>PLAZA WIRES LIMITED</b>  On behalf of the Board of Directors  Sd/-  Company Secretary and Compliance Officer</p>
<p><b>BOOK RUNNING LEAD MANAGER</b></p> <p><b>PANTOMATH CAPITAL ADVISORS (P) LTD</b></p> <p><b>Pantomath Capital Advisors Private Limited</b>  406-408, Keshava Premises,  Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai 400 051  <b>Tel:</b> +91 22 61946724; <b>Email:</b> ipo@pantomathgroup.com  <b>Investor Grievance Email:</b> ipo@pantomathgroup.com  <b>Website:</b> www.pantomathgroup.com  <b>Contact Person:</b> Punam Thadeshwar  <b>SEBI Registration No:</b> INM000012110</p>	<p><b>KEFINTECH</b>  <b>RETAIL INVESTMENT CORPORATION</b></p> <p><b>Kfin Technologies Limited</b>  Selenium Tower-B, Plot No.31 &amp; 32, Gachibowli,  Financial District, Nanakramguda, Serilingampally,  Hyderabad 500 032, Telangana  <b>Tel:</b> 40 6716 2222; <b>Email:</b> plazawires.ipo@kfintech.com  <b>Investor Grievance Email:</b> einward.ris@kfintech.com  <b>Website:</b> www.kfintech.com; <b>Contact Person:</b> M Murali Krishna  <b>SEBI Registration Number:</b> INR000000221</p>

### वेदांत एल्युमीनियम 380

#### मेगावॉट नवीकरणीय

#### ऊर्जा खरीदेगी

वेदांत एल्युमीनियम अपने स्मेल्टर के लिए दीर्घावधि के आधार पर 380 मेगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा खरीदेगी। वेदांत ने सोमवार को बताया कि इससे कंपनी को सालाना 15,00,000 टन के बराबर कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी। कंपनी के अनुसार, इसे वेदांत लिमिटेड और स्ट्रलाइट पावर टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड (एसपीटीपीएल) के विशेष इकाई (स्ट्रलाइट पावर टेक्नोलॉजिज की इकाई) के बीच बिजली वितरण समझौते के माध्यम से खरीदगा जाएगा।

भाषा